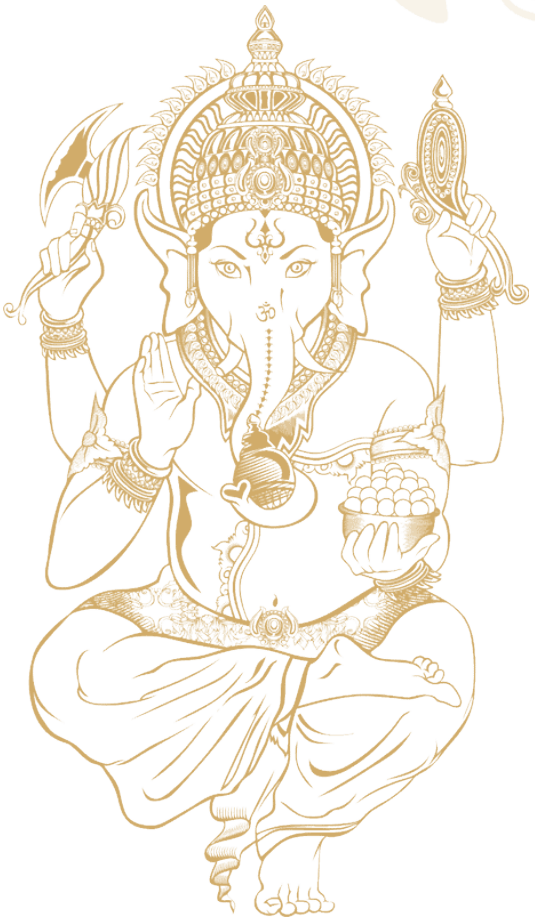

NITIN

Shivani

Model: Love-Horoscope

Order No: 121015901

Model: Love-Horoscope

Order No: 121015901 Date: 22/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/06/1994	जन्म तिथि	07/07/1994
मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 10:30:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 12:57:52	जन्म समय(घटी)	40:51:31 घटी
India	देश	India
Solan	स्थान	Solan
30:54:00 उत्तर	अक्षांश	30:54:00 उत्तर
77:06:00 पूर्व	रेखांश	77:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36	स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:18:51	सूर्योदय	05:24:23
19:27:42	सूर्यास्त	19:28:15
23:47:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:04

सिंह	लग्न	कुम्भ
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	शनि
वृश्चिक	राशि	मिथुन
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
अनुराधा	नक्षत्र	आर्द्रा
शनि	नक्षत्र स्वामी	राहु
1	चरण	1
साध्य	योग	ध्रुव
कौलव	करण	शकुनि
ना-नवीन	जन्म नामाक्षर	कू-कुसुम
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
विप्र	वर्ण	शूद्र
कीटक	वश्य	मानव
मृग	योनि	श्वान
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मार्जार

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 17वर्ष 1मा 8दि		11:27:49	सिंह	लग्न	कुंभ	02:25:22	राहु 17वर्ष 2मा 24दि	
बुध		05:49:38	मिथु	सूर्य	मिथु	21:31:50	गुरु	
30/07/2011		04:39:43	वृश्चि	चंद्र	मिथु	07:14:02	01/10/2011	
29/07/2028		27:04:59	मेष	मंगल	वृष	08:51:56	01/10/2027	
बुध	26/12/2013	12:12:45	मिथु व	बुध	मिथु	05:39:52	गुरु	18/11/2013
केतु	23/12/2014	11:09:49	तुला व	गुरु	तुला	11:01:47	शनि	01/06/2016
शुक्र	23/10/2017	13:07:29	कर्क	शुक्र	सिंह	02:07:41	बुध	07/09/2018
सूर्य	29/08/2018	18:36:59	कुंभ	शनि व	कुंभ	18:26:44	केतु	14/08/2019
चन्द्र	29/01/2020	29:39:04	तुला व	राहु व	तुला	28:54:39	शुक्र	14/04/2022
मंगल	25/01/2021	29:39:04	मेष व	केतु व	मेष	28:54:39	सूर्य	31/01/2023
राहु	14/08/2023	01:34:28	मक व	हर्ष व	मक	00:57:27	चन्द्र	01/06/2024
गुरु	19/11/2025	28:47:30	धनु व	नेप व	धनु	28:22:01	मंगल	08/05/2025
शनि	29/07/2028	02:01:35	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	01:43:12	राहु	01/10/2027

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:01 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:04

लग्न-चलित

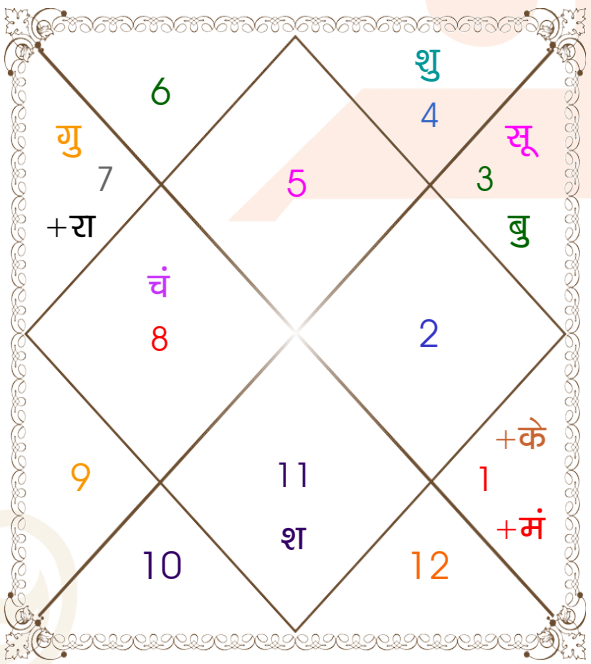

लग्न-चलित

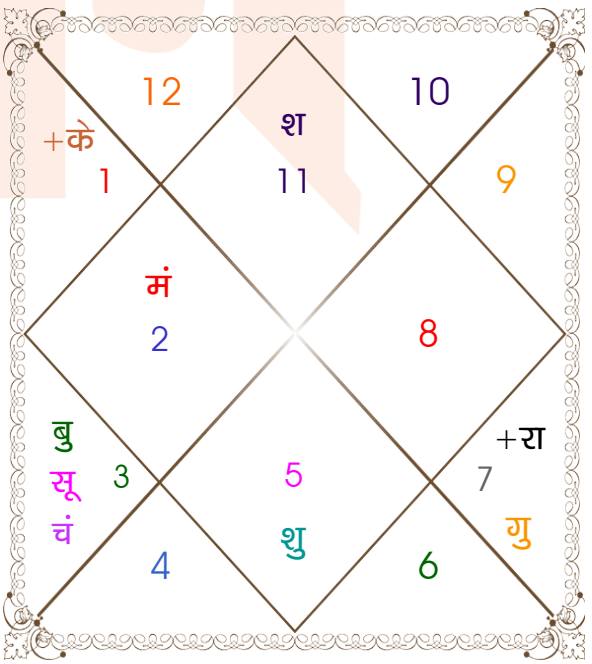

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	श्वान	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : **18 / 36**

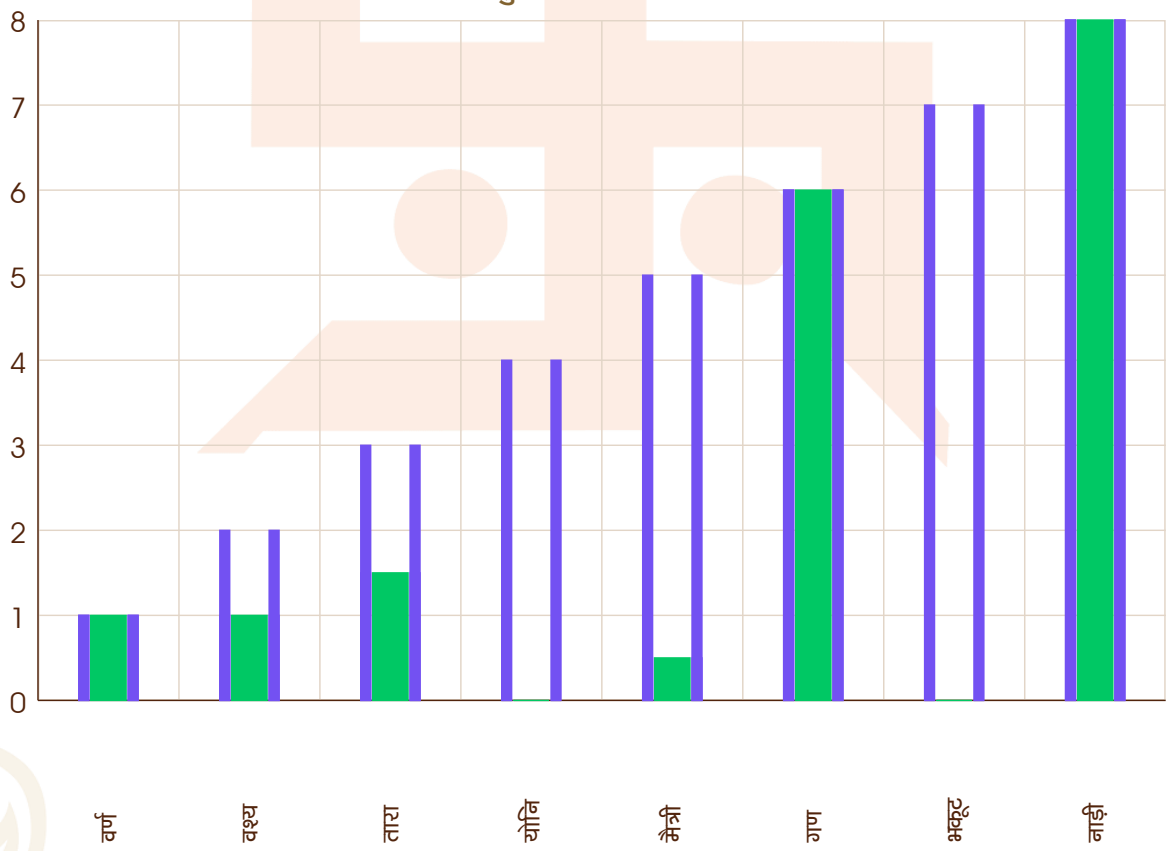

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

NITIN का वर्ग सर्प है तथा Shivani का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार NITIN और Shivani का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

NITIN मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Shivani मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु NITIN कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

NITIN तथा Shivani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

NITIN का वर्ण ब्राह्मण तथा Shivani का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Shivani सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। Shivani एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

NITIN का वश्य कीट है एवं Shivani का वश्य द्विपद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीट NITIN एवं मनुष्य Shivani के विवाह को स्वीकार्यहै किंतु दोनों के बीच हितों का संघर्ष होता रहेगा एवं सहयोग एवं आपसी समझ की कमी बनी रहेगी। कभी कभी परस्पर शत्रुता की भावना भी विकसित हो सकती है। जो इनके दांपत्य जीवन को बाधित कर सकता है तथा विकास एवं समृद्धि को प्रभावित कर सकता है। NITIN एवं Shivani बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे तथा कटुता, संदेह एवं तनाव का माहौल बना रह सकता है।

तारा

NITIN की तारा विपत तथा Shivani की तारा मित्र है। NITIN की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। NITIN एवं NITIN के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Shivani हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Shivani को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

NITIN की योनि मृग है तथा Shivani की योनि श्वान है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में NITIN का राशि स्वामी Shivani के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Shivani का राशि स्वामी NITIN के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

NITIN का गण देव तथा Shivani का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Shivani अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

NITIN से Shivani की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Shivani से NITIN की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। NITIN एवं Shivani दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। NITIN शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Shivani बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

NITIN की नाड़ी मध्य है तथा Shivani की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

NITIN की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Shivani की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। जल एवं वायु में नैसर्गिक भिन्नता होने के कारण NITIN और Shivani में स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता नहीं होगी जिससे वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

NITIN की राशि का स्वामी मंगल तथा Shivani की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम तथा शत्रु हैं। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति अच्छी नहीं उत्पन्न होंगे। इसके प्रभाव से NITIN और Shivani के मध्य अनावश्यक विवाद तथा मतभेद रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति सदभावना के स्थान पर आलोचना तथा उपेक्षा का भाव रहेगा। ये दोनों एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः वैवाहिक जीवन में प्रेम का कम और विरोध का भाव अधिक रहेगा।

NITIN और Shivani की राशियां परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना गया है। इसके प्रभाव से NITIN और Shivani में अनावश्यक वैमनस्य का भाव उत्पन्न होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे के प्रति कोई सहानुभूति नहीं होगी। साथ ही समय समय पर अनावश्यक विवाद होते रहेंगे। वैवाहिक जीवन के सुख की दृष्टि से यह स्थिति अच्छी नहीं होगी। अतः बुद्धिमता एवं संयम से ही शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है ।

NITIN का वश्य कीट तथा Shivani का वश्य मानव है। कीट एवं मानव की परस्पर विषमता तथा शत्रुता का भाव होने के कारण NITIN एवं Shivani की शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर असमानता रहेगी तथा दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

NITIN का वर्ण ब्राह्मण तथा Shivani का वर्ण शूद्र है। अतः NITIN शैक्षणिक शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्य कलापों में रूचि रखेंगे जबकि Shivani की प्रवृति धनार्जन के प्रति अधिक रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी।

धन

NITIN और Shivani दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

NITIN की नाड़ी मध्य तथा Shivani की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका कोई दुष्प्रभाव इन पर नहीं पड़ेगा परन्तु मंगल की स्थिति प्रतिकूल रहेगी जिसके प्रभाव से NITIN रक्त तथा पित विकार से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही हृदय रोग संबधी परेशानी भी होगी एवं रतिक्रिया संबंधी निष्क्रियता के भाव की भी उत्पत्ति की संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति की संभावना उत्पन्न होगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए NITIN को हनुमान जी की नियमित पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से NITIN और Shivani का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त NITIN और Shivani के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Shivani के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Shivani को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Shivani को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से NITIN और Shivani सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार NITIN और Shivani का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Shivani के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Shivani यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Shivani को कठिनाई का

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Shivani को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

NITIN तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में NITIN के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से NITIN के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण NITIN के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

लग्न फल

NITIN

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

Shivani

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर तुला राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित आकृति से ऐसा सूचित हो रहा है कि आप एक सैद्धांतिक महिला हैं। आपका लक्ष्य सर्वोतम जीवन की प्राप्ति है न कि किसी भी प्रकार से धन संचय करना। आप धन को मात्र आवश्यकता की पूर्ति का साध्य समझती हैं। आप धन को संसार का अस्तित्व समझती हैं। परंतु ऐसा संदेह है कि आप धन की खोज में व्यस्त नहीं रहती। धन तो आपके पास निश्चित रूप से आएगा।

संप्रति आप चाहे जैसे भी हो सम्पत्ति उपार्जन में संलग्न रहने को कोई अधिक महत्व नहीं देती हैं। आप अपने जीवन में संतोषप्रद समय व्यतीत करेंगी। आपकी स्पष्टवादिता एक नाटकीय संबंध स्थापित करेगी। तथापि आप अपने आरामदायक जीवन व्यतीत करने के लिए वास्तविक लाभांश प्राप्त करने हेतु समर्थ हैं। आप अपने एवं अपने पारिवारिक आवश्यक आवश्यकता हेतु उपयुक्त साधन प्राप्त कर लेंगी।

आप कठिन श्रम साध्य की साधना से भिन्न हैं तथा यह जानती हैं कि अपनी उन्नति हेतु अपने मालिक को किस प्रकार प्रसन्न एवं अनुकूल रखा जाए। आप धन्नादि से संपन्न एवं आपकी स्मरण शक्ति विशाल है तथा आप शुद्ध चित्त से किसी भी विषय पर विचार करती हैं। आप में ऐसी संगठनात्मक क्षमता विद्यमान हो सकती है कि किसी भी बड़े कार्य को दिन प्रतिदिन संचालन हेतु कैसा नेतृत्व चाहिए। तथापि आप ऊपर से आधुनिक मेधावी हैं। आप गंभीर रूप से मूल विचार को सुगमता पूर्वक कार्यान्वित करने के लिए पर्याप्त हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

इस संदर्भ में ऐसा ज्ञात होता है कि आप अभाग्यता से युक्त होकर भी भाग्यशाली हैं। अभाग्यता की भूमिका आपके स्वास्थ्य से युक्त है। इसमें संदेह नहीं है कि आपका जीवन उत्तम, सुखद एवं आनंददायक होगा। परंतु आपकी शक्ति सीमित रोगादि के कारण क्षीण हो जाएगी। इस प्रकार निःसंदेह ऐसा लगता है कि आपको किसी भी रोग से निरोग होने में कुछ समय लग जाएगा। इसलिए आपको इस विंदु पर विचार करना चाहिए कि इस प्रकार के कार्य-कलाप का परित्याग कर देना चाहिए। जिसके प्रभाव से आप रोगग्रस्त हो जाएं तथा शीघ्रता पूर्वक आपको चिकित्सक का परामर्श लेना चाहिए।

कुंभ राशीय प्रभाव से ऐसा संदेह है कि आपको छूआ-छूत अथवा विषाणुयुक्त रोग हो सकता है। ऐसा हो सकता है कि गले का रोग, दांत या आंखों में दिक्कते आ सकती हैं। आपको अपने जीवन की 15 वें 23 वें एवं 29 वें वर्ष में इसके संबंध में ध्यान देकर स्वास्थ्य रक्षा हेतु सतर्क रहना चाहिए।

आप धार्मिक प्रवृत्ति की प्राणी हैं। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि सांसारिक सुखों से युक्त रहकर सुखद जीवन का विस्तार करेंगी। बल्कि आप अपने परिवार के साथ संयुक्त रह कर भी आप स्वतः धार्मिक कार्यों से संलग्न रहेंगी। परंतु वास्तव में आप मानवीय भावनाओं एवं समर्पित भाव से अपने पति एवं अपनी संतान से संबंधित रहेंगी।

आप अपनी प्रतिभा एवं प्रवृति के अनुसार संबंधित कार्य-व्यवसाय का चयन कर धन प्राप्ति करेंगी। अतएव आप कंपनी के कार्यकारी अधिकारी पद, वैज्ञानिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, प्रोफेसर एवं शैक्षणिक सलाहकार, विधि एवं धन संबंधी कार्य-कलाप आपके लिए लाभदायक होगा। आयात-निर्यात् कार्य-व्यवसाय भी सर्वथा आपके लिए अनुकूल हो सकता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

अंकों में आपके हित अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंकों का त्याग करना आपके लिए उत्तम है।

आप रंगों में नारंगी, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करें एवं आपके लिए सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग उत्तम एवं संतोषप्रदायक है।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अंक ज्योतिष फल

NITIN

आपका जन्म दिनांक 21 हैं। दो एवं एक के योग से आपका मूलांक 3 होता है। मूलांक तीन का अधिपति गुरु ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा एक का सूर्य है। अतः आपके जीवन में गुरु, चन्द्र तथा सूर्य ग्रह का शुभ-अशुभ प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी गुरु के प्रभाव से आप एक विद्वान व्यक्ति कहलायेंगे। विद्या के क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी। धर्म-कर्म के कार्यों में रुचि रखेंगे। अधिक आयु पर आप आध्यात्म के क्षेत्र में चले जायेंगे। आप एक अनुशासन प्रिय व्यक्ति रहेंगे एवं अपने अधीनस्थों से अपेक्षा रखेंगे कि वह भी अनुशासन में रहें । आप काम में शिथिलता या देरी पसन्द नहीं करेंगे। इससे आपके मातहत आपके विरोधी होंगे।

सूर्य के प्रभाव से आप एक दृढ़ प्रतिज्ञ व्यक्ति होंगे। स्वभाव में हठीपन भी रहेगा एवं आप अपने कार्यक्षेत्र में सूर्य के समान ही चमकेंगे। लेकिन चन्द्र प्रभाव से कभी कभी अंधेरे का सामना करना पड़ेगा। इससे आपके मन में निराशा के भाव आयेंगे। आपका जीवन सन्तुलित रहेगा एवं ऐसे कार्यों में आपका मन लगेगा जहाँ कार्य ईमानदारी से होता हो। आप स्वयं अपनी मेहनत तथा सच्चाई पर भरोसा करेंगे और इसी के सहारे सफलताएं अर्जित करेंगे।

आपकी ऐसे कार्यों में रुचि रहेगी जहाँ बुद्धिजन्य कार्य होता हो। लेखन, पठन-पाठन, भाषण, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्रों में कार्य करने पर आपको अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी। सूर्य, चन्द्र, गुरु के संयुक्त प्रभाव से आप अपने जीवन में उच्चता को अवश्य प्राप्त करेंगे एवं आपकी अन्तिम अवस्था काफी खुशमय रहेगी।

Shivani

आपका जन्म दिनांक सात होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक सात होता है। अंक सात का अधिष्ठाता भारतीय मतानुसार केतु एवं पाश्चात्य मतानुसार नेपच्यून ग्रह को माना गया है। इन ग्रहों के थोड़े-बहुत प्रभाव आपके ऊपर आयेंगे। मूलांक सात के प्रभाववश आपके अन्दर कल्पना शक्ति की मात्रा अधिक रहेगी। काव्य रचना, गीत-संगीत सुनना, दूरदर्शन देखना आपकी अभिरुचि में समाहित रहेगा। ललित कलाओं, लेखन, साहित्य आदि में आपकी रुचि रहेगी। आर्थिक सफलताएं आपको अधिक नहीं मिलेंगी तथा धन संग्रह करना भी आपको मुश्किल लगेगा।

यात्रा, पर्यटन, सैर-सपाटा इत्यादि आपको विशेष अच्छा लगेगा। दूसरों के मन की बात समझने में आप निपुणता हासिल करेंगी एवं सामने वाले को अपनी ओर आकृष्ट करने की विशेष शक्ति भी आपके अन्दर रहेगी। धर्म के क्षेत्र में आप परिवर्तनशील विचारधारा की रहेंगी एवं पुरानी रुढ़ियों, रीतियों में अधिक रुचि नहीं लेंगी। आपको ऐसे रोजगार-व्यापार पसन्द आयेंगे, जिनमें यात्रायें होती रहती हों तथा दूर-दूर के देशों से सम्पर्क बना रहे।

आप ऐसा ही रोजगार चुनेंगी जिनमें यात्रा के अवसर अधिक मिलते रहें। अतीन्द्रिय

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

ज्ञान की अधिकतावश जहाँ आप दूसरों के मन की बात को जान जायेंगी वहीं आपको स्वप्न भी अद्भूत प्रकार के आते रहेंगे। आपको विदेशों से, जहाज, मोटर इत्यादि वाहनों से विशेष लाभ प्राप्त होंगे।

NITIN

भाग्यांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से आपका भाग्योदय स्व-बुद्धि विवेक द्वारा होगा। बुध वाणिज्य, व्यावसायिक कला का दाता है। गणित, लेखन, शिल्प, चिकित्सा, लेखा कार्यों में अच्छी प्रगति प्रदान करेगा। आपके अन्दर व्यापारिक कला अच्छी विकसित होगी। वाक् पटुता, तर्कशक्ति, बहुत बोलने की आदत रहेगी। आप रोजगार के क्षेत्र में नित नई स्कीम बनायेंगे जो आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगी। वाणिज्य कला में आप काफी निपुण रहेंगे एवं रोजमर्रा के कार्यों को फुर्ती से पूर्ण करेंगे। दूसरों से कार्य निकलवाने में आप निपुण रहेंगे।

आपकी व्यवसायिक बुद्धि होने से धन संग्रह की ओर आप अधिक आकृष्ट रहेंगे एवं आवश्यकतानुसार वक्त-वे-वक्त के लिए धन एकत्रित करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपकी स्थिति मध्यमोत्तम श्रेणी की रहेगी। कानून का आपको ठीक ज्ञान रहने से आप कार्यक्षेत्र में सभी कार्यों को बखूबी निभायेंगे तथा सामने वाले आपके ज्ञान के आगे नत-मस्तक होंगे।

Shivani

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाली स्पष्ट वक्ता होंगी। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाली यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाली शूरवीर महिला के रूप में पहचान स्थापित करेंगी। आपका जीवन चक्र एक मुखिया की भाँति संचालित होगा अर्थात आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचारधारा पर निर्भीक चलेंगी। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगी। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगी, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com